से सिफारिशें न प्राप्त होने के कारण, स्वतंत्रता सेनानियों को पेंशन स्वीकृत करने में देर होती है ;

(ख) क्या सरकार ने इस संबंध में इन समस्याओं का समाधान करने हेतु बातचीत करने और एक स्पष्ट नीति तैयार करने के लिए कोई प्रयास किए है ; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० एम० सईद) : (क) से (ग), आवेदकों द्वारा अधूरी सूचना का भेजना या स्वतंत्रता संग्राम के संबंध में भेजी गई सेनानियों के संबंध में स्वीकार्य दस्तावेजी साक्ष्य का प्रस्तुत न किया जाना तथा राज्य सरकार की सिफारिशों का उपलब्ध न होना, कुछ ऐसे कारण हैं जिनकी वजह से कई बार, स्वतंत्रता सेनानियों की पेंशन के दावों का निपटान करने में विलम्ब हो जाता है। दावों में खामियां, जैसे कि अधूरी सूचना तथा आवेदकों द्वारा अपने दावों के समर्थन में भेजे गए साक्ष्यों का स्वीकार अथवा अस्वीकार किया जाना, आवेदकों तथा राज्य सरकारों की जानकारी में शीघ्रातिशीघ्र लाया जाता है। न्यायालय/जेल के अधिकारियों को उनके द्वारा जारी किए गए सत्यापनों के बारे में, जब कभी भी इस प्रकार के सत्यापन करने में विलम्ब होता है, तो उन्हें भी अनुस्मारक भेजे जाते हैं। इसी प्रकार, राज्य सरकारों से, समय-समय पर, लम्बित पड़े दावों, यदि कोई हों तो, के संबंध में सिफारिशें शीघ्रता से भेजने का अनुरोध किया जाता है।

Repatriation of Buddhist Chakma Tribals

150. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the All Arunachal Pradesh Students' Union had recently ordered 60,000 Buddhist Chakma tribals settled in Arunachal Pradesh since 1964, to pack up and leave by September 30, 1994;

(b) if so, what are the facts in this regard; and

(c) what action the Central Government had taken in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. M. SAYEED): (a) to (c) Yes, Sir. The All Arunachal Pradesh Students' Union had issued a "Quit Arunachal" notice demanding explusion of all foreigners from Arunachal Pradesh including the Chakma/Hajong refugees by September 30, 1994. The State Government was advised to provide security and safety to all residents in the State including the Chakma/Hajong refugees. Additional Central Para Military Forces were placed at the disposal of the State Government for this purpose. The State Government was also advised to ensure normal supplies of essential commodities and proper medical facilities in the Chakma/Hajong refugee settlements.

विदेशी नागरिकों का अपहरण

151. **श्री रामदेव भण्डारी** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तीन ब्रिटिश तथा एक अमरीकी नागरिक के अपहरण और मुक्ति के संबंध में तथ्य एवं ब्यौरे क्या हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि उक्त अपहरण में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आई०एस०आई० का हाथ था ; और

(ग) यदि हां, तो इस सिलसिले में सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० एम० सईद) : (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के पटल पर रख दी जाएगी।